केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए :

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

रविवार, ७ जुलाई, २०१९ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (४)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
	विभाग-१, कुल गुण (४७)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (५)	
	११ (८)	
	१२ (८)	
	१३ (८)	
	विभाग-२, कुल गुण (३८)	

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
	विभाग-३, कुल गुण	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐☐☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ४		नाम

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें। (कुल गुण : ४)

१. शीत ऋतु में श्रीजीमहाराज ने स्नान करने के लिए ठंडा पानी माँगा।

२. स्वामिनारायण का महामंत्र के प्रताप से नरक के कुंड खाली हो गए।

३. 'ऐसे सद्‌गुरु कौन हैं?'

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत : .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है।) (कुल गुण : ६)

१. ब्रह्मरूप होने की आवश्यकता : निर्विघ्न भक्ति हेतु
२. भगवान अक्षरधाम में और पृथ्वी के उपर साकार हैं
३. सबसे परे अक्षरधाम और अक्षरधामाधिपति श्रीहरि सर्वोपरि

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – २ गुण – ६		नाम	प्र – ३ गुण – ५		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए। (कुल गुण : ५)

१. वेद उस ब्रह्म का गान करते हैं। मोक्ष का मार्ग भी उसके द्वारा ही हैं। गुण : १

....

२. 'निष्कुलानंद निहाळतां न जडे ए बेनी जोड' गुण : १

....

३. ''हम तो अक्षर पुरुषोत्तम के बैल हैं।'' गुण : १

....

४. भक्त को रावण या शूर्पणखा जैसा भक्त नहीं बनना चाहिए, किन्तु विभीषण जैसा भक्त बनना चाहिए। गुण : १

....

५. अतिअपार अक्षरातीत, थई तमारे ते साथे प्रीत। गुण : १

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ४		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. स्वामी अक्षर हैं 'स्वामी की बातें' के अनुसार | गुण : २ |

(१) ☐ तुम्हारे साथ पलाश के पत्तों का पात्र बना रहा है।

(२) ☐ यह जो साधु है वह ब्रह्म है तथा जो धाम में है वे परब्रह्म।

(३) ☐ 'स्वामी ! क्या आप स्वयं अक्षर हैं?'

(४) ☐ यह तो महाराज के संकल्प के कारण यहाँ दिखाई देते हैं।

२. अक्षरब्रह्म : सच्चिदानंद चिदाकाश तेजरूप | गुण : २ |

(१) ☐ यह अक्षरब्रह्म का सगुण स्वरूप है।

(२) ☐ इन दोनों में कार्यकारण भेद नहीं है।

(३) ☐ उसकी उत्पत्ति - विनाश नहीं होता है।

(४) ☐ ऐसा जो चिदाकाश है, वह अविनाशी है।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. गुणातीत संत की महिमा : श्रीजीमहाराज के शब्दों में

२. श्रीजीमहाराज सर्वोपरि : स्वकथन के आधार पर

३. अक्षरब्रह्म की अनंत महिमा

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ५ गुण – ८		नाम

गुण : ४

( )

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक

केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. बापू रतनजी ने कहा : 'स्वामी की शरण में रहना, पर कभी स्वामी को बेबसी में मत डालना।'

२. जिस प्रकार अक्षरधाम की मूर्ति गुणातीत है, वैसे ही मनुष्याकारवाली मूर्ति भी गुणातीत है।

३. गोपालानंद स्वामी ने गुणातीतानंद स्वामी को समर्थ साधु कहा।

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४ | |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ८		नाम

(   ) ....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ७		नाम

प्र. ७ उपसंहार के आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ७)

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. श्रीजीमहाराज सदा ही .....

.....

..... कर देते हैं। गुण : १

२. अक्षरब्रह्म एक ही .....

.....

..... में रहता है। गुण : १

३. अक्षरब्रह्म का साधर्म्य .....

.....

.....

.....

.....

..... तीनों रहते हैं। गुण : १

४. अक्षरब्रह्म भी अक्षरधाम में .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... कर देते हैं। गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. श्रीजीमहाराज के जूते .....

..... अक्षरब्रह्म हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

६. प्रकट ब्रह्मस्वरूप संत के .....

..... सकते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

७. पुरुषोत्तम नारायण श्रीजीमहाराज .....

.....

..... समान हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ५		नाम

प्र. ८ टिप्पणी लिखिए। उत्पत्ति सर्ग **(वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम	प्र - १० गुण - ५		नाम

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''उसकी लगान भरना भी तो उनके लिए मुश्किल हो सकता है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''यदि हमीर सत्संग से दूर होगा, तो अन्य नए पाप में फँस जाएगा।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''ठाकुरजी को जल अर्पण किया था?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. 'यमदंड' नामक ग्रंथ की रचना किस ने की? गुण : १

.....

२. पर्वतभाई किस के नौकर बनने को तैयार हुए? गुण : १

.....

३. कवीश्वर दलपतराम ने मुक्तानंद स्वामी की वाणी को किस की उपमा दी? गुण : १

.....

४. डॉ. राधाकृष्णन् के मत अनुसार हम सुख और शान्ति से क्यों जीते हैं? गुण : १

.....

५. मंगल और उसके पुत्रों ने क्या छोड़ दिया और क्या अपना लिया? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ८		नाम

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. शिवलाल सेठ ने ..... को जीवित रहे तब तक सहायता दी। | गुण : २ |

(१) ☐ राठोड़ धाधल

(२) ☐ वाघाखाचर

(३) ☐ दादाखाचर

(४) ☐ देहाखाचर

२. 'संत जन सोई' पद में मुक्तानंद स्वामी ने लिखा है कि... | गुण : २ |

(१) ☐ निशदिन ध्यान धरे दुनिया।

(२) ☐ पिंड ब्रह्मांड से पर निज आत्मा

(३) ☐ यद्यपि वास दियो मैं उर पर

(४) ☐ कौन भाई ने कौन भगिनी

३. जीवन की अस्मिता का झंकार | गुण : २ |

(१) ☐ हम लोग अब महंत स्वामी की शरण में आ चूके हैं।

(२) ☐ सभी के हाथ में वचनामृत दिया गया था।

(३) ☐ भोज गाँव के आदिवासीओं के घरों में

(४) ☐ जन्माष्टमी में शराब की महफ़िल।

४. ईर्ष्याग्नि का क्षणमात्र में शमन | गुण : २ |

(१) ☐ वैर के अग्नितांडव में कई व्यक्ति भून चूके थे।

(२) ☐ १२ मई १९९०

(३) ☐ रामसिंहजी का जीवन-मार्ग बदला।

(४) ☐ ठाकुरजी का पंचामृत स्नान।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ८		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. निष्कुलानंद स्वामी ससुराल में भिक्षा माँगने गये। **अथवा**

२. भगा दोशी को सत्संग करने की सदा के लिए अनुकूलता हो गई।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

३. स्वामीश्री ने दलुभाई को गले लगा लिया। **अथवा**

४. स्वामीश्री भूल गए के पूर्व कहीं कोई सम्मान समारोह हुआ था।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. पर्वतभाई की मानसी पूजा **अथवा**

२. लालजी भक्त और मूलजी भक्त की कथाश्रवण की आसक्ति

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. जल झूलनी एकादशी के दिन सेवा **अथवा**

४. में भी तो हरि का ही जन हूँ

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए। (कुल गुण : १५)

१. राजकोट में संपन्न हुआ प्रमुखस्वामी महाराज का ९८ वाँ जन्मजयंती महोत्सव

२. अमर वारसा गुणातीत का : पराभक्ति

३. अबुधाबी से अमेरिका के केपिटल हिल तक बी.अे.पी.एस. द्वारा दीपावाली और अन्नकूटोत्सव

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – १४ गुण – १५		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें